Discussing the origin and development of Sanskrit nitikathas, explain the life values described in pañcatantra, vetalapañcavimsika and simhasanadvatrimsika

अथवा / OR

सम्वाद-सूक्त के आधार पर संस्कृत आख्यान - परम्परा की उत्पत्ति व विकास का विवेचन कीजिये ।

Discuss the origin and development of Sanskrit narrative tradition on the basis of Samvada-Sukta.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये । (6x3=18)

Write short notes on any three of the following:

(क) मूर्तिकला / Sculpture

(ख) कथासरित्सागर/Kathasaritsagara

(ग) काल्पनिक चित्रण विधा / Fantasisation

(घ) चक्रीय कथा विधा/ Cyclicalisation

(ङ) सूत / Suta

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 3220 **I**

Unique Paper Code : 2135001004

Name of the Paper : Sanskrit Narratology, GE

Name of the Course : **Common Prog. Group, G.E. : Sanskrit**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Answers may be written in Sanskrit, **Hindi or English,** but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

3. इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत हिन्दी अथवा अंग्रेजी**, किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. भारतीय आख्यान - परम्परा को समझाते हुए उपनिषद्-आख्यान का विश्लेषण कीजिये । (18)

Explain the Indian narrative tradition and analyze the Upanishad narratives.

अथवा / OR

हितोपदेश, शुकसप्तति व पुरुषपरीक्षा के आधार पर संस्कृत-नीतिकथा साहित्य के उद्भव एवं विकास का विवेचन कीजिये ।

Discuss the origin and development of Sanskrit moral literature on the basis of Hitopadesha, Shuksaptati and Purushapariksha.

2. मनोरञ्जक तथा शैक्षणिक प्रेरणा के सन्दर्भ में कथावाचन की संस्था एवं उनके कार्यों का विश्लेषण कीजिये । (18)

Analyze the institution of storytelling and its functions in the context of recreational and pedagogical thrust.

अथवा / OR

कुशीलव, चारण एवं सूत इन कथावचकों की सामाजिक वर्ग के रूप में विस्तृत विवेचन करें ।

Discuss Kusilava, Carana, and Suta narrators as social classes in detail.

3. संस्कृत नीतिकथा - साहित्य की विशिष्ट विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन करें । (18)

Discuss the special features of Sanskrit Nitikatha literature with examples.

अथवा / OR

बृहत्कथाश्लोकसङ्ग्रह, कथासरित्सागर और बृहत्कथामञ्जरी इन संस्करण त्रय के रूप में बृहत्कथा के स्वरूप को विवेचित करें ।

Discuss the nature of brhatkatha in the form of brhatkathaslokasangraha, kathasaritsagara and brhatkathamañjari.

4. संस्कृत नीतिकथाओं की उत्पत्ति एवं विकास का विवेचन करते हुए पञ्चतन्त्र, वेतालपञ्चविंशिका तथा सिंहासनद्वा त्रिंशिका में वर्णित जीवन मूल्यों को प्रतिपादित करें । (18)